कार्यक्रम का नाम - प्रदर्शन कला(संगीत) में स्नातकोत्तर (तबला विधा) कार्यक्रम कोड - एम0पी0ए0एम0–20				
तृतीय सेमेस्टर				
क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	ताल शास्त्र ।	एम0पी0ए0एम0टी0-601	100	2
	इकाई 1 - पखावज व तबले की उत्पत्ति, विकास एवं उपयोगिता।			
	इकाई 2 - पखावज के वर्ण, वादन विधि एवं घरानों का अध्ययन ; तबले के घरानों एवं उनकी वादन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन।			
	इकाई 3 - मार्गी ताल, देशी ताल एवं उत्तर भारतीय तालों का वर्तमान स्वरुप।			
	इकाई 4 - ताल के प्राण (काल, मार्ग, क्रिया, अंग, ग्रह, जाति, कला, लय, यति व प्रस्तार) का विस्तृत अध्ययन एवं वर्तमान संदर्भ में उपयोगिता।			

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।

2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. श्री मधुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र , अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद ।

5. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री , तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री , पखावज और तबला के घराने एवं परम्पराएं, स्वर साधना समिति, एनेक्स जम्बुलबाडी, मुम्बई।

7. डॉ0 अरूण कुमार सेन,भारतीय तालों का शास्त्री य विवेचन, हिन्दी ग्रन्थन अकादमी, भोपाल ।